विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 30 अप्रैल से 6 मई 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 49 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

ज़ीवन में कई लोगों को प्रभु हमारे जीवन में लाते हैं. उनमें कुछ हमारे जीवन में महत्वपूर्ण बन जाते हैं लेकिन कई अपने स्वार्थ और कपट के कारण इतने दूर हो जाते हैं कि वापसी के रास्ते बंद कर देते हैं. खुशियों के लिए सदा निश्चल,निर्मल तथा निःस्वार्थी लोगों का होना जरूरी होता है. स्वार्थी लोग जीवन में कभी भी सुखी नहीं रहते हैं. यह अटल सत्य है. इसलिए आपको जो चाहते हैं, उनके विश्वास को नहीं तोड़ना चाहिए.

डेटा लीक से जिंदगी पड़ सकती खतरे में

विदर्भ स्वाभिमान,29 अप्रैल

नई दिल्ली- दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली तमन्ना, रात में सोने से पहले रोज की तरह मोबाइल पर बस यूं हीं स्क्रॉल करते हुए नजर डाल रही थी. अचानक उसे अपने मोबाइल पर एक नोटिफिकेशन मिला 'आपके पसंदीदा प्रोडक्ट पर 40फीसदी छूट!' वह चौंक गयी. ये तो वही लैपटॉप था, जिसे उसने दो दिन पहले सिर्फ देखा था, खरीदा नहीं. फिर सोचा कि ये तो एल्गोरिदम का कमाल होगा... लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई. अगले ही दिन उसे एक अनजान नंबर से कॉल आया मैम, क्या आप नया लैपटॉप खरीदने की सोच रही हैं? हमारे पास आपके लिए खास ऑफर है. अब तमन्ना के माथे पर पसीना आ गया. उसने कभी अपना नंबर इस वेबसाइट पर डाला ही नहीं था. फिर उसने अपने दोस्त निखिल से बात की, जो साइबर सिक्योरिटी में काम करता था. निखिल ने बताया, तमन्ना, ये सिर्फ एक ऑफर नहीं है! ये इस बात का संकेत है कि तुम्हारा पर्सनल डेटा कहीं न कहीं लीक हो चुका है या फिर बिना तुम्हारी जानकारी **शेष पेज 7 पर**

भारत युद्ध के दौरान भी बनेगा निर्णायक मुखिया

विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का प्रयास रहा सफल

विदर्भ स्वाभिमान,29 अप्रैल

नई दिल्ली- संयुक्त अरब अमीरात ने मंगलवार को पेट्रोलियम उत्पादक देशों के संगठन (ओपेक) और ओपेक 1 को छोड़ने का ऐलान कर दिया. उसका यह फैसला 1 मई, 2026 से लागू हो जाएगा. इससे पूरी दुनिया में खलबली मच गई. विशेषज्ञों का मानना है कि यूएई के इस फैसले का असर भारत पर अच्छा पड़ने वाला है. भारत के यूएई के बेहतरीन संबंध हैं. इस फैसले से पहले ही भारत ने बड़ी रणनीतिक पहल करते हुए अपने हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को यूएई के दौरे पर भेजा था. यूएई से बातचीत में रणनीतिक संबंधों को बढ़ाए जाने के साथ-साथ एनर्जी

सिक्योरिटी पर भी सार्थक चर्चा हुई थी.

यूएई क्या भारत पर कर रहा फोकस?-खलीज टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एनडीटीवी प्रॉफिट से बातचीत में इंडीपेंडेंट एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के चेयरमैन नरेंद्र तनेजा ने कहा-यूएई ज्यादा स्वायत्तता चाह रहा था और वह भारत जैसे देशों को तेल सप्लाई करने पर फोकस कर रहा है. भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंध गहरे हैं. उसके इस कदम से और सुधार ही होगा.यूएई ने ओपेक और ओपेक प्लस को छोड़ने के पीछे ये अटकलें लग रही हैं कि वह अपने बड़े खरीदारों की खातिर तेल उत्पादन बढ़ाने के लिए ज्यादा स्वायत्त होना चाह रहा होगा.हाल के वर्षों में भारत यूएई का मुख्य एनर्जी पार्टनर रहा है और वह अपना करीब 90 फीसदी तेल यूएई से खरीदना चाहता है.

अमेरिका-ईरान युद्ध से पहले भारत का बड़ी मात्रा में लिक्विफायड पेट्रोलियम गैस आयात होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से यूएई से ही हो रहा था.ओपेक छोड़ने के पीछे शायद यूएई की ज्यादा स्वायत्तता की चाहत है. वह भारत जैसे देशों को तेल सप्लाई करने पर फोकस कर रहा है. भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंध गहरे हैं.तनेजा ने कहा-'अगर ओपेक और ओपेक प्लस कमजोर होते हैं तो भारत, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान को बड़ा फायदा होगा. इससे उन्हें जोड़ने, कीमतों पर बातचीत करने और तेल-गैस की आपूर्ति में काफी सुधार करने के लिए अधिक स्वायत्तता मिलेगी.' उन्होंने कहा-भारत के लिहाज से यह बेहद अच्छा है. **शेष पेज 7 पर**

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

पुलिस के साथ पालकों की भी जिम्मेदारी होती है

बढ़ते अपराध के कारण जहां अमरावती बदनाम हो रहा है, वहीं कभी डर्टी विडियो कांड तथा कभी महिलाओं के साथ बलात्कार जैसी बढ़ती घटनाओं के साथ ही जिस तरह से अपराध बढ़ रहा है, उसके चलते केवल पुलिस को कोसने से काम नहीं होगा. पालकों के साथ ही हमें भी परिवार की गरिमा तथा सम्मान के लिए हमारे बच्चों-बच्चियों पर ध्यान देना होगा. पुलिस की संख्या पहले ही कम है बावजूद इसके पुलिस आयुक्त राकेश ओला तथा जिला पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद द्वारा जिस तरह से बेहतरीन काम किया जा रहा है, उसकी सराहना की जानी चाहिए.

अपराध के क्षेत्र में अमरावती शहर पिछले कुछ महीनों तथा वर्षो के दौरान जिस तरह से बढ़ रहा है, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता है. शहर पुलिस द्वारा यद्यपि अपनी ओर से अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है लेकिन शहर में चौक-चौराहों में जिस तरह से चायनीज गाड़ियां लग रही हैं और यहां जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, उसके मद्देनजर इनकी गहन जांच करने तथा नियमों के मुताबिक ही गाड़ी पर मालिक का पूरा नाम, पता, मोबाइल नंबर के साथ ही डिजिटल पेमेंट की व्यवस्था होनी चाहिए. साथ ही इन गाड़ियों पर मनचले नांदगांव पेठ पुलिस थाना क्षेत्र में एक उच्च शिक्षित युवती की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी रियाजउद्दीन पंचवटी चौक पर चायनीज का ठेला लगाता है। इस ठेले के माध्यम से युवती के साथ संपर्क कर उसे विश्वास में लिया गया और उस महिला पर अत्याचार किया गया। इस तरह चायनीज ठेला के माध्यम से अनेक जगह पर लव जिहाद फैलाने का कृत्य शुरू रहने की बात सामने आई है। साथ ही इन ठेलों पर कई बार शराब अथवा अन्य नशीले पदार्थों का वितरण भी किया जाता है। इन ठेलों पर मनपा, राजस्व विभाग, नगरपालिका के साथ ही पुलिस का नियंत्रण रहना काफी आवश्यक है। हॉकर्स यूनियन ने भी इस संदर्भ में बार-बार निगमायक्त व पुलिस आयक्त से शिकायत की है। लेकिन इस पर कार्रवाई नहीं हुई हैं। इस मामले में सांसद डॉ. अनिल बोंडे ने पुलिस आयुक्त राकेश ओला से भेंट कर उन्हें कार्रवाई की मांग की है। इसकी सराहना की जानी चाहिए.

शहर का माहौल जहां पिछले कुछ दिनों से बिगड़ रहा है, उसमें गंभीर किस्म के अपराध में लिप्त रहने वालों को लेकर भी सवाल पैदा होने लगा है. शहर में कहीं भी गाड़ी लगाने के अलावा कोई जानकारी नहीं रहती है. इन गाड़ियों के माध्यम से कई बार खतरनाक घटनाएं हो सकती हैं. गाडियों पर गाड़ी मालिक की पूरी जानकारी के साथ ही डिटिचल पेमेंट की व्यवस्था अनिवार्य की जानी चाहिए. इससे जहां आर्थिक मजबूती का पता चलेगा, वहीं दूसरी ओर इस तरह की स्थिति से शहर सरक्षा के साथ ही जिन गाड़ियों के पास चिड़ीमारी अथवा महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं हो, उन पर कार्रवाई करने से कानून का थोड़ा डर पैदा होगा. सांसद बोंडे ने कहा है कि शहर में पंचवटी चौक, गाडगेनगर चौक, शेगांव नाका चौक के साथ ही नवाथे चौक आदि मुख्य चौराहे पर जिन लोगों ने खाद्य पदार्थो की गाडियां लगाई है.पिछले कुछ समय से सरकारी विभागों में समन्वय के अभाव के कारण अतिक्रमण, घुमंतुओं के कब्जे ने प्रशासन तथा मनपा प्रशासन की सक्रियता पर सवाल खड़ा किया है.

किसानों के साथ छल बड़ा अपराध हो

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

देश में अपनी मेहनत,लगन और समर्पण से देशवासियों का पेट भरने वाला किसान आज अनगिनत समस्याओं से जूझ रहा है. इसमें कभी बीज तो कभी खाद के नाम से उसके साथ छल किया जाता है, इसका समर्थन नहीं किया जा सकता है. किसानों के साथ छल करने वालों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए. कभी मौसम तो कभी प्रशासन की लापरवाही के कारण किसानों को परेशानी होती है. अमरावती में एक ओर जहां कृषि सेवा केन्द्र संचालकों की बेमियादी हड़ताल शुरू है, वहीं दूसरी ओर किसानों के साथ धोखाबाजी को रोकने के लिए कृषि विभाग द्वारा व्यापक छापामार कार्रवाई की जा रही है. बीज के नाम पर किसानों के साथ धोखाधड़ी कोई नई समस्या नहीं है, लेकिन हर सीजन में यह फिर सिर उठाती है और हर बार सबसे बड़ा नकसान उसी किसान का होता है, जो पहले से ही मौसम, कर्ज और बाजार की मार झेल रहा होता है. खरीफ और रबी सीजन से पहले बाजार में बीजों की मांग बढ़ते ही नकली, अवैध या कम गुणवत्ता वाले बीजों की भरमार हो जाती है. आकर्षक पैकेजिंग, झूठे दावे और ऊंचे उत्पादन के लालच में किसान इन्हें खरीद लेते हैं. जब फसल उगती नहीं या अपेक्षित उत्पादन नहीं देती, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है. न तो पैसा लौटता है, न मेहनत का मोल मिलता है. समस्या का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है. बीज कंपनियां, वितरक और एजेंट सभी एक-दूसरे पर दोष मढ़ते हैं. वहीं, प्रशासनिक कार्रवाई अक्सर धीमी और सीमित रहती है. कई बार दोषी कंपनियों के बजाय छोटे विक्रेताओं पर कार्रवाई कर औपचारिकता पूरी कर दी जाती है.इस स्थिति को बदलने के लिए ठोस और कड़े कदम जरूरी हैं.

सबसे पहले, बीजों की गुणवत्ता की सख्त निगरानी और बाजार में आने से पहले प्रमाणन प्रक्रिया को मजबूत करना होगा. अवैध बीजों की आपूर्ति पर सख्ती से रोक लगानी होगी और दोषी कंपनियों पर कठोर दंड सुनिश्चित करना होगा. साथ ही, किसानों को जागरूक करना भी उतना ही आवश्यक है ताकि वे प्रमाणित विक्रेताओं से ही बीज खरीदें और रसीद अवश्य लें. अमरावती में कृषि सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू की है. इस अभियान के तहत जिले में चल रही जांच में 10 कृषि सेवा केंद्रों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं, जबकि 6 केंद्रों को कड़ी चेतावनी दी गई है. यह कार्रवाई जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी राहुल सातपुते के मार्गदर्शन में गठित उड़नदस्तों द्वारा की जा रही है, इसकी सराहना की जानी चाहिए. लेकिन साथ ही कुछ समय तक कार्रवाई करने की बजाय अगर किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वाले केन्द्र संचालकों के खिलाफ नियमित जांच और कार्रवाई का सिलसिला जारी रहे तो निश्चित तौर पर इसका व्यापक असर पड़ेगा. उड़नदस्तों की जांच में जो प्रमुख गड़बड़ियां और अनियमितताएं पाई गईं उनमें ई-पॉस मशीन के रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में अंतर, उर्वरकों की एमआरपी से अधिक कीमत पर बिक्री, किसानों को पक्का बिल न देना, बिना लाइसेंस बीज का भंडारण, रजिस्टर व रिकॉर्ड अपडेट न रखना, अवैध एचटीबीटी कपास बीज की बिक्री और परिवहन इन गंभीर उल्लंघनों के चलते संबंधित केंद्रों पर कड़ी कार्रवाई की गई. किसानों के साथ दगाबाजी किसी भी रूप में समर्थनीय नहीं कही जा सकती है. देश का पालनहार वैसे ही अनगिनत समस्याओं से त्रस्त है, ऐसे में कृषि विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई निश्चित सराहनीय है. कृषि विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों के साथ कोई भी छल करने की हिम्मत नहीं कर सके और जो भी करे तो उसके खिलाफ कार्रवाई में कोई सुस्ती नहीं होनी चाहिए.

प्रिय अमुचा एक महाराष्ट्र देश हा....

विदर्भ स्वाभिमान महाराष्ट्र दिवस विशेष, जहां सभी रहते हैं खुशियों से,विकास में अग्रणी

महाराष्ट्र दिवस केवल एक राज्य के गठन का दिन नहीं, बल्कि यह एकता, संघर्ष और प्रगति का प्रतीक है. यह दिन हमें हमारे पूर्वजों के बलिदान को याद करने और राज्य के विकास में अपना योगदान देने की प्रेरणा देता है.इस महाराष्ट्र दिवस पर हम सभी मिलकर अपने राज्य की समृद्धि, संस्कृति और एकता को बनाए रखने का संकल्प लें. साथ ही जिनकी मेहनत से राष्ट्र विकास की मंजिल हासिल करता है, ऐसे करोड़ों कामगारों को क़ामगार दिवस की शुभकामनाएं. शुक्रवार को तिहरा संयोग है. इसी दिन भगवान बुद्ध का जन्म, कैवल्य ज्ञान प्राप्ती और महानिर्वाण का महादुर्लभ प्रसंग है.

हर वर्ष 1 मई को पूरे महाराष्ट्र में महाराष्ट्र दिवस,विश्व में कामगार दिवस बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया जाता है. यह दिन राज्य के गठन की याद दिलाता है, जब 1 मई 1960 को भाषाई आधार पर महाराष्ट्र और गुजरात का निर्माण हुआ. यह केवल एक ऐतिहासिक दिन नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता, संस्कृति और संघर्ष की विजय का प्रतीक है.स्वतंत्रता के बाद भारत में राज्यों का पुनर्गठन भाषा के आधार पर किया गया. मराठी भाषी लोगों ने एक अलग राज्य की मांग के लिए लंबा आंदोलन चलाया, जिसे संयुक्त महाराष्ट्र

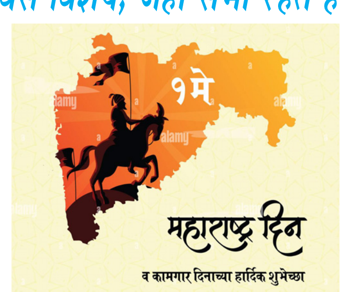

आंदोलन कहा गया. इस आंदोलन में हजारों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी. अंततः 1960 में उनकी यह मांग पूरी हुई और महाराष्ट्र का गठन हुआ, जिसकी राजधानी मुंबई बनी.

महाराष्ट्र अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है. यहां

विदर्भ स्वाभिमान
सुदर्शन गांग,बडनेरा

की लोककलाएं, जैसे लावणी और तमाशा, लोगों के जीवन से गहराई से जुड़ी हुई हैं. गणेशोत्सव राज्य का सबसे प्रमुख त्योहार है, जिसे पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है.यह भूमि महान संतों, समाज सुधारकों और वीर योद्धाओं की रही है.छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और ज्योतिराव फुले जैसे महापुरुषों ने इस धरती को गौरवान्वित किया है.संतों के साथ ही महान सेवाधारियों का इतिहास राज्य को मिला है.यही कारण है आज भी आपसी प्रेम, सौहार्द के मामले में राज्य सभी के लिए आदर्श उदाहरण है.कामगारों का देश के विकास में सबसे अधिक महत्व है, कामगार दिवस पर सभी को शुभकामनाएं.

महाराष्ट्र भारत की आर्थिक रीढ़ माना जाता है. मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, जहां भारतीय रिजर्व बैंक और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज जैसे प्रमुख संस्थान स्थित हैं.इसके अलावा पुणे, नागपुर और नाशिक जैसे शहर शिक्षा, उद्योग और कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं.इस दिन पूरे राज्य में सरकारी और निजी स्तर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और परेड आयोजित होती हैं. मुंबई के शिवाजी पार्क में भव्य समारोह आयोजित किया जाता है, जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा जनता को संबोधित किया जाता है. महाराष्ट्र दिवस चिरायु हो.....

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

भट्टी की तरह सुलग रही है अमरावती,विदर्भ में टॉप पर

विकास के नाम पर विनाश को आमंत्रण तो नहीं है

अमरावती - मौसम में बदलाव काफी घातक हो सकता है. गर्मी की तीव्रता कुछ वर्षों में जिस तरह से तेजी से बढ़ रही है, इसे समय रहते रोका जाना जरूरी है. ऐसा नहीं होने पर खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है. अमरावती शहर तथा जिले के तापमान में जिस तरह से बढ़ोत्तरी हो रही है, वह खतरनाक है. यह स्थिति समूचे देश की है. पहले जहां तापमान 40-47 डिग्री सेल्यियस के बीच तक पहुंच रहा है, इसने विकास के नाम पर किस तरह से इंसान विनाश को आमंत्रण दे रहा है, यह साबित कर दिया है.

अमरावती शहर तथा जिले का तापमान विदर्भ में जहां टॉप में है, वहीं दूसरी ओर उष्माघात से कई लोगों की मौत हो गई है. भीषण गर्मी के कारण अमरावती भट्टी की तरह जल रही है. गर्मी की भीषणता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सड़क पर रखा अंडा आमलेट बन जा रहा है. यह खतरनाक स्थिति है. आगामी दिनों में यह मौसम क्या गुल खिलाएगा, इसको लेकर चिंता

अमरावती का इस साल पंद्रहा साल का रिकार्ड तीन दिन पहले सबसे अधिक 46.8 डिग्री सेल्सीयस के रूप में टूट पड़ा है. कुछ साल पहले की तुलना में गर्मी की तीव्रता जिस तेजी से बढ़ रही है. उसको लेकल चिंता बढ़ना स्वाभाविक है. इसलिए समय रहते इस पर विश्वस्तर पर विचार की जरूरत संयुक्त राष्ट्र संघ के मौसम विभाग ने जताया है. साथ ही चेतावनी दी है कि समय रहते अगर पर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह आगामी पीढ़ियों के लिए अत्याधिक खतरनाक हो सकता है. शहर के साथ ही पूरा देश तप रहा है. राज्य में आगामी दिनों में गर्मी की भीषणता बढ़ने वाली है. ऐसे में समय रहते पर्यावरण संतुलन पर जोर देना जरूरी है. शहर के साथ ही समूचे विदर्भ में भीषण गर्मी ने सभी को त्रस्त कर दिया है. अकोला, अमरावती, चंद्रपुर में तापमान 46 डिग्री तक पहुंच गया है.ज़ो गंभीर है.

जनसेवी विधायक रवि राणा को शुभकामनाएँ देने उमड़ा पूरा जिला

हजारों ने घर पहुंचकर किया सत्कार,मुख्यमंत्री फड़णवीस, पालकमंत्री सहित अनेकों ने दी शुभकामनाएँ

विदर्भ स्वाभिमान,29 अप्रैल

अमरावती- डैशिंग नेता के रूप में समूचे राज्य में सुख्यात विधायक रवि राणा का जन्मदिन 28 अप्रैल को सादगी के साथ मनाया गया. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, पूर्व मंत्री डॉ.सुनील देशमुख, भाजपा नेता रविराज देशमुख, समाजसेवी चंद्रकुमार जाजोदिया, त्रिदीप वानखडे,संपादक सुभाष दुबे, विजय गायकवाड़ के साथ ही हजारों मान्यवरों ने विधायक रवि राणा के शंकरनगर कार्यालय में आयोजित समारोह में पहुंचकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. भारी जनसमुदाय लाड़ले नेता को शुभकामनाएं देने के लिए उमड़ पड़ा था. सुबह से रात्रि 12 बजे तक यह सिलसिला जारी था.विधायक रवि राणा ने भी सभी के प्रति आत्मीयता जताते हुए कहा कि उनका आशिर्वाद ही सबसे बड़ी ताकत है. सभी के प्रेम के लिए दिल से कृतज्ञता जताते हुए भविष्य में भी इसी तरह का प्रेम मिलने और सहयोग मिलने का भरोसा जताया.

उनके मुताबिक मेरे जीवन में सदैव जनता का प्यार मिला है, उसकी वजह से ही आज मैं और नवनीत राणा यहां हैं. ऐसे में जनता से बढ़कर मेरे लिए और कोई नहीं हो सकता है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ ही राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस क़ा मार्गदर्शन सदैव उन्हें मिला है. उनके मुताबिक जीवन में सदैव सकारात्मक सोच के साथ जनहित मे किया जाने वाला कार्य कभी बेकार नहीं जाता है. उनके मुताबिक जीवन में अगर आप अच्छा करते हैं तो निश्चित तौर पर आपका कभी बुरा नहीं होता है. सुबह से ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवरों ने विधायक रवि राणा के गंगासावित्री निवास पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की मंगलमय शुभकामनाएं दी. साथ ही कामना की कि वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों. विधायक रवि राणा संघर्ष से जूझकर स्वयं का न केवल महाराष्ट्र बल्कि दिल्ली में भी स्थान बनाया है. वे पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने स्वयं विधायक रहते हुए पत्नी को सांसद बनाने के साथ ही उन्हें भी राष्ट्रीय राजनीति में चमकाया है.बड़े भाई सुनील राणा सभी आगंतुकों का स्वागत कर रहे थे. मामा नीलकंठराव कात्रे के साथ परिवार के सभी सदस्य आगंतुकों से पूछताछ आत्मीयता से कर भोजन करने का आग्रह कर रहे थे. किसी उत्सव के जैसा नजारा सभी को रवि राणा का पॉवर बता रहा था.

पक्षियों को जल पिलाने से होंगे मालामाल

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

अग्निदेवता ने वेदवती को अपने पास छिपा रखा

ग़तांक से जारी- ऐसी प्रतिज्ञा वेदवती ने की. यह कहते वेदवती अग्नि में कूद पड़ी.तब अग्नि ने वेदवती को अपने पास छिपाकर, रावण के द्वारा सीता का अपहरण करते समय वेदवती को सीता से भी सुंदर बनाकर सीता के रूप में उसे रावण को सौंप दिया. वेदवती को अपनी पत्नी स्वाहा देवी के पास छोड़ दिया. रावण के साथ वेदवती ने लंका पहुँचकर रावण को मेरे हाथों से संहार करवाया.

इस रूप में वेदवती ने रावण से अपना बदला ले लिया. फिर अग्नि के पास रहनेवाली सीता को मुझे सौंप दिया. स्वयं वेदवती उस समय ब्र्ह्म लोक चली गयी. वहाँ पर महा तप किया. कुछ समय के बाद वही वेदवती पद्म में समाकर अवनि में आकाशराज को प्राप्त हुई. वही वेदवती पद्मावती के रूप में मुझे मोहित करके अपने आपको भूल गयी है.' इस रूप में श्रीनिवास ने वेदवती के पूर्व वृत्तांत और पद्मावती के जन्म के बारे में वकुला को सुनाया. यह सुनकर बकुला ने स्वामी को देखकर कहा. 'हे देव ! महानुभाव! पहले

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

मैंने अज्ञानी होकर आपको मनुष्य मात्र के रूप में देखा. आप तो साक्षात ब्र्ह्म हैं. आप ही ब्र्ह्म के पिता हैं. आप ही महानिर्वाण संधाता हैं. आप ही विष्णु हैं, आप ही रामचंद्र हैं, आप ही कृष्ण देव हैं, आप ही वेदात्म हैं, आप ही सर्वतोमख हैं, आप ही कर्ता हैं, आप ही भोक्ता हैं, आप ही विश्व हैं, आप ही वराह देव और शैलाधिप हैं. हे तोयज लोचन ! आपकी इस माया को बिना जाने अपने पत्र के रूप में आपसे प्रेम किया. हे महात्मा! आप ही ईश्वर हैं, यह मैं जान नहीं पायी.' यह सुनकर विष्णु ने कहा. 'यहाँ पर आपने मेरी चोट को ठीक करके माँ के रूप में वात्सल्य दिया. आपका

ऋण मैं कैसे चुका पाऊँगा. इसकी चिंता मुझे हो रही है.' कहते विष्णु ने वकुला पर अपनी माया को डालकर उसे वात्सल्य सद्बुद्धि को प्रदान करके फिर से इस रूप में कहा. 'हे माँ! तुम मेरा विवाह कराओ' नेह से उसी समय विवाह की बात चलाने के लिए कहा. तब वकुला देवी ने हरि की ओर देखकर 'हे पत्र ! अब वह कन्या किस नगर में है. उस नगर के बारे में बताओ.' इस रूप में वकूला के पूछने पर हरि ने कहा.

शेष अगले अंक में

ख़ुशियां बांटने वाला दिलदार यार है मनोज चोरे

जन्मदिन पर अमोल साखरे, निलेश लामकाणे को विदर्भ स्वाभिमान की शुभकामनाएँ

जीवन प्रभु का दिया गया अनमोल उपहार ही माना जाना चाहिए. लेकिन जीवन में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं ज़ो लोगों को खुशियां बांटने का अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करते हैं. श्री केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था के प्रमुख, मेरे परम मित्र, सफल व्यवसायी मनोज चोरे ऐसे ही व्यक्ति हैं, जो सभी की भावनाओं की कद्र करने के साथ ही सदा खुशियां देने का प्रयास करते हैं. 1 मई महाराष्ट्र दिवस पर उनका और साथ ही मित्र अमोल साखरे तथा निलेश लामकाणे का जन्मदिन है, तीनों को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

यह तीनों मित्र जहां सेवाभाव की भावना से ओतप्रोत रहते हैं, वहीं सामाजिक,धार्मिक कार्य में भी अग्रणी रहते हैं. भाजपा के समर्पित कार्यकन्ता के साथ ही पार्वती नगर हनुमान मंदिर के माध्यम से धार्मिक तथा सामाजिक उपक्रम चलाने वाले मनोज चोरे मेलघाट के आदिवासियों की मदद में भी अग्रणी रहते हैं. संस्था के सभी पदाधिकारियों का सहयोग जहां उन्हें मिलता है, वहीं उनकी सादगी और उनका स्वभाव किसी को भी प्रभावित करता है. वे कहते हैं कि दिल से किया गया कोई काम कभी विफल नहीं होता है. युवाओं को माता-पिता की सेवा करने के साथ ही आदर्श आचार-विचार और संस्कारों के साथ ही मेहनत की तैयारी रखने की सलाह देते हैं. वे कहते हैं कि जीवन में दिल से किया गया कोई भी काम कभी फेल नहीं होता है. पार्वतीनगर निवासी तथा व्यवसायी मनोज चोरे की दिनचर्या काफी व्यस्त रहती है. बावजूद इसके किसी भी मित्र का जन्मदिन हो, शादी की सालगिरह हो, मनोज चोरे

याद रखते हैं, घर पर जाकर सत्कार करने के साथ ही फ्रेम बनाकर हर मित्र के जन्मदिन को यादगार करने की उनकी अदा सभी को प्रभावित करती है. सुबह की सैर के अलावा आज भी स्वयं को व्यस्त रखते हैं. तीनों ही मान्यवरों को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

मनोज चोरे का मानना है कि जीवन प्रभु का दिया गया अनुपम उपहार है, ऐसे में केवल पैसे ही नहीं तो लोगों के दिलों में जगह बनाने का प्रयास अपने नेक कामों के माध्यम से किया जाना चाहिए. जीवन में धन दौलत कमाई जा सकती है लेकिन खोया गया विश्वास,अपनापन कभी नहीं कमाया जा सकता है. इसलिए सदैव कोशिश यह करें कि हम विश्वास की कड़ी को टूटने नहीं देना चाहिए.अच्छी सोच के साथ किया गया काम कभी असफल नहीं होता है. इसलिए अपने मन को साक्षी रखते हुए कोई भी काम करने का प्रयास करें. इससे निश्चित तौर पर हम लोगों का प्यार पाने के साथ ही विश्वास जीतने में भी कामयाब रहेंगे. जीवन में जितना हो सके, सदैव अच्छा करने की कोशिश करनी चाहिए. अगर अच्छा नहीं हो तो बुरा करने का प्रयास कभी नहीं करना चाहिए. मनोज चोरे के साथ अमोल साखरे तथा निलेश लामकाणे भी स्वयं के साथ ही सामाजिक तथा सेवाभावी कामों में अग्रणी रहते हैं. तीनों जीवन में माता-पिता को अत्याधिक महत्व देते हैं. उनका कहना है कि प्रथम देव,गुरू हमारे माता-पिता होते हैं. सुबह उठने के बाद मार्निंग वॉक के अलावा साफ-सफाई को लेकर अत्याधिक सतर्क रहते हैं. मनोज चोरे की विनम्रता इतनी है कि उन्हें कोई ना नहीं बोलता है. बात चाहे सामाजिक कामों में मदद की है अथवा किसी आयोजन में सहभागिता की. तीनों ही मित्रों को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु की कृपा बनी रहे और आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, हम यही कामना कर जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान टीम

शुभेच्छुक

श्री केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था के सभी पदाधिकारी,सदस्य, पार्वतीनगर निवासी मित्र परिवार तथा विदर्भ स्वाभिमान अखबार.

शिवशंकर नगर का महाकाल सरकार मंदिर बना आस्था केन्द्र

सैकड़ों भक्त करने आते हैं दर्शन, होता है सालभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम,आरती का करते इंतजार

विदर्भ स्वाभिमान, 29 अप्रैल

अमरावती- शिवशंकर नगर स्थित महाकाल मंदिर हजारों भक्तों के आस्थास्थल के साथ ही क्षेत्र का धार्मिक केन्द्र बन गया है. शिवशंकर नगर के अलावा आसपास के दर्जनों नगरों तथा कालोनियों के बड़ी संख्या में भक्त यहां आकर दर्शन का पुण्यलाभ प्राप्त करते हैं. सोमवार को मंदिर में होने वाली आरती भी शानदार रहती है, इसमें बड़ी संख्या में भक्त सहभागी होते हैं. मंदिर संस्था के पदाधिकारियों के समर्पण और क्षेत्रवासियों के सहयोग के कारण मंदिर लगातार लोकप्रिय हो रहा है.

क्षेत्र ही नहीं बल्की आसपास के नगरों से भी बड़ी संख्या में भक्त यहां आकर महाकाल का दर्शन का पुण्यलाभ प्राप्त करते हैं. मंदिर के कारण जहां क्षेत्र की शोभा बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर शाम के समय कॉलोनी के नागरिक बच्चे महाकाल के दर्शन का पुण्यलाभ प्राप्त कर रहे हैं. क्षेत्रवासियों के मुताबिक महाकाल मंदिर में दर्शन से शांति मिलती है. मंदिर का काम अभी भी धीरे-धीरे शुरू है. क्षेत्र के युवा समाजसेवी संजय श्रीराव के साथ ही समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी बिना किसी स्वार्थ के मंदिर के निर्माण के साथ ही अन्य आयोजनों में भी योगदान दे रहे हैं.

मंदिर में कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, इसमें क्षेत्रवासी भी सक्रियता से भाग लेकर सहयोग भी करते हैं. सोमवार को होने वाली आरती में भारी संख्या में नागरिक सहभागी हो रहे हैं. मंदिर तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. संजय श्रीराव और साथी प्रयासरत हैं. मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है. रात के समय शहर में रहकर भी पर्यावरण के लिहाज से बेहतरीन इस मंदिर में भगवान महाकाल का दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में भाविक महिला-पुरूष तथा बच्चे आ रहे हैं. मंदिर का काम पूरा होने पर यह लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनने से इंकार नहीं किया जा सकता. संजय श्रीराव के मुताबिक सभी के प्रयासों, कार्यकारिणी पदाधिकारियों तथा सदस्यों के सहयोग से यह काम

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8208407139

सेवा भावना से ओतप्रोत युवा नेता हैं मंगेश प्रदीपराव इंगोले

अमरावती- युवा स्वाभिमान पार्टी प्रमुख विधायक रवि राणा के विचारों से ओतप्रोत होकर पार्टी के पदाधिकारी भी सेवाभाव में सदा आगे रहते हैं.आज के समय में जहां राजनीति को अक्सर स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा की दृष्टि से देखा जाता है, वहीं कुछ युवा ऐसे भी हैं जो इसे समाजसेवा का माध्यम मानते हैं. मंगेश इंगोले ऐसे ही एक उभरते हुए युवा नेता हैं, जिनकी पहचान सेवा भाव, सरलता और जनसंपर्क से बनती है.

युवा स्वाभिमान पार्टी के भातकुली तहसील अध्यक्ष तथा सेवाभाव में अग्रणी रहने वाले मंगेश प्रदीपराव इंगोले का व्यक्तित्व इस बात का उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व केवल पद या प्रसिद्धि से नहीं, बल्कि लोगों के बीच रहकर

उनकी समस्याओं को समझने और समाधान करने से बनता है. वे समाज के हर वर्ग गरीब, मजदूर, किसान और युवाओं के साथ खड़े नजर आते हैं. उनकी कार्यशैली में दिखावा नहीं, बल्कि सच्ची निष्ठा और समर्पण झलकता है.उनके मुताबिक मार्गदर्शक रवि राणा तथा सुनील राणा सहित पार्टी वरिष्ठों के मार्गदर्शन में क्षेत्र में गरीब बच्चों की मदद, किसानों तथा क्षेत्रवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए भी सदा प्रयासरत रहते हैं. विधायक रवि राणा के जन्मदिन पर अपने क्षेत्र में भी कई सामाजिक उपक्रम चलाया. युवा होने के बावजूद मंगेश इंगोले ने सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई है. चाहे जरूरतमंदों की सहायता हो, शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना हो या समाज में एकता और सद्भाव बनाए रखना हर क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय है. वे मानते हैं कि एक मजबूत समाज का निर्माण तभी संभव है, जब युवा आगे आकर जिम्मेदारी उठाएं.उनकी सबसे बड़ी ताकत उनका व्यवहार है सहज, मिलनसार और संवेदनशील रहने के कारण क्षेत्रवासी भी उन्हें अपार सम्मान देने के साथ ही अपनी समस्याएं भी बताते हैं. धार्मिकता से ओतप्रोत रहने के साथ ही सेवाभावी उपक्रमों में भी आगे रहते हैं. वे केवल भाषण देने में विश्वास नहीं रखते, बल्कि जमीन पर उतरकर कार्य करने में विश्वास रखते हैं.युवाओं के लिए मंगेश इंगोले एक प्रेरणा हैं.उनके मुताबिक मानवता की सेवा भी ईश्वर सेवा से कम नहीं है, ऐसे में जितना संभव हो अपने से कमजोर की मदद करते रहें.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

सेवा परमो धर्म भाव से गुरूवार बन गया यादगार

हर्षल बनसोड का जन्मदिन, गौरी-गणेश अय्यर दम्पति का सत्कार,बुजुर्गो की खुशियों ने दिया संतोष,अभिनंदन बैंक कैम्प शाखा को शुभकामनाएं

जीवन की भागदौड़ में आजकल व्यक्ति स्वयं को भूलता जा रहा है. लेकिन गुरूवार को बाबूजी सुदर्शनजी गांग का सुबह मोबाइल बजा और ज्ञानशांति उपवन जाने की बात कही. काम भरपूर रहने के बाद भी मुझे खुशी हुई और में भी श्याम चौक पर पहुंच गया. यहां पर सेवाभाव तथा मददगार स्वभाव से ओतप्रोत सुदर्शन गांग, समाजसेवी डॉ.गोविंद कासट, विवेक सहस्त्रबुद्धे पहले से ही मौजूद थे. यहां से हम सभी व्यंकटेश कॉलोनी निवासी हर्षल बनसोड के घर पहुंचे. युवा बेटे की मौत के बाद भी स्वयं को सेवा कार्य में समर्पित करने वाले हर्षल बनसोड के व्यक्तित्व ने सीख दी कि अपने दुःखों को जब हम दूसरों का दुःख करते हैं तो राहत मिलती है. जन्मदिन पर अमरावती के जिचकार कहे जाने वाले योग विशेषज्ञ डॉ.राजू डांगे, तपोवन के कुष्ठरोगियों को खुशियां देने में समर्पित संस्था के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई, पूर्व नगर सेविका प्रभाताई आवारे, दंदेभाऊ, डॉ.गोविंद कासट, डॉ.राजेन्द्र सिंह ठाकुर सहित कई विभूतियों से मुलाकात भी यादगार रही.

जीवन में कुछ दिन ऐसे होते हैं, जो साधारण होकर भी असाधारण बन जाते हैं. ऐसा ही एक गुरुवार, सेवा और समर्पण की भावना से ओतप्रोत होकर, सभी के लिए यादगार बन गया. यह दिन केवल समय का एक हिस्सा नहीं था, बल्कि मानवता, करूणा और परोपकार का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया.सुबह की शुरुआत सामान्य थी, लेकिन मन में एक विशेष संकल्प था कुछ ऐसा करने का, जिससे दूसरों के चेहरे पर मुस्कान आए. सेवा का भाव ही वह शक्ति है, जो इंसान को इंसान से जोड़ती है. इसी भावना के साथ दिन की शुरुआत हुई और खुशियां देने तथा प्राप्त करने का सिलसिला

शुरू हुआ.सुबह 10 बजे से 2 बजे तक के चार घंटे में अपार खुशी और संतोष हम सभी के चेहरे पर स्पष्ट था. सुदर्शन गांग के परिवार द्वारा बडनेरा आधार केन्द्र में बुजुर्गों के लिए भोजनदान कार्यक्रम रखा गया था,लेकिन वे हमारे साथ रहे. ज्ञानशांति उपवन में जाने के बाद अरूणा पोलाड तथा सहयोगियों ने सभी का स्वागत किया. सेवा,समर्पण तथा आदर्श दाम्पत्य जीवन की मिसाल प्राचार्य गौरी तथा सदा प्रसन्नचित रहने तथा सभी को रखने में अग्रणी गणेश अ/यर का सत्कार किया गया. सभी बुजुर्गों का आशिर्वाद लेकर सभी के मन में अपार संतोष तथा खुशी स्पष्ट दिखाई दे रही थी. वृद्धजनों के साथ बैठकर उनकी बातें सुनना, उनके अकेलेपन को दूर करना यह भी सेवा का ही एक रूप है.यहां रहने वाले सभी बुजुर्गों को भी खुशियां देने वाला विषय हम सभी को खुश कर गया. शायद इसीलिए कहते हैं कि जो बांटते हैं, वह वापस आकर हमें मिलता है. यहां 30 मिनट का समय कब घंटा भर हो गया, पता ही नहीं चला. सेवा केवल धन देने का नाम नहीं है, बल्कि समय, सहानुभूति और संवेदनशीलता का दान ही सच्ची सेवा है. इस दिन यह स्पष्ट हो गया कि जब हम निस्वार्थ भाव से किसी की मदद करते हैं, तो उससे मिलने वाली आत्मिक संतुष्टि किसी भी भौतिक सुख से कहीं अधिक होती है.इस गुरुवार ने यह सिखाया कि समाज में बदलाव लाने के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि बड़े दिल की जरूरत होती है. यदि हर व्यक्ति सप्ताह में एक दिन भी सेवा के लिए समर्पित कर दे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की एक नई लहर पैदा हो सकती है.यह गुरुवार केवल एक दिन नहीं रहा, बल्कि एक प्रेरणा बन गया, खुशियां बांटकर स्वयं खुशी पाने का. इसका पूरा श्रेय जाता है सुदर्शन गांगजी को, जिनके कारण ही इस तरह का शानदार मौका हम सभी को मिला. भविष्य में भी अपने अलावा दूसरों की खुशी के लिए कुछ करने के संकल्प के साथ सुबह से निकलकर ड्यूटी के बाद रात 11 बजे घर पहुंचने के बाद भी थकान नहीं थी, शायद यह सेवा और खुशियां बांटने का प्रतिफल था.हमें निरंतर सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा. यही सेवा भाव जीवन को सार्थक बनाता है और यही वह शक्ति है, जो एक साधारण दिन को भी यादगार बना देती है.

अभिनंदनीय है अभिनंदन बैंक

क़हते हैं कि साफ मन से किया गया कोई भी कार्य चमत्कारिक रिजल्ट देता है. इसका उदाहरण सहकारिता क्षेत्र की भूषण तथा अनगिनत पुरस्कारों से सम्मानित अभिनंदन अर्बन बैंक है. बैंक की कैम्प शाखा के पहले वर्धापन दिन पर पूजा-अर्चना के बाद आयोजित कार्यक्रम में सभी को शामिल होने का मौका मिला, यहां समाजसेवी डॉ.गोविंद कासट, योग गुरू डॉ.राजू डांगे, तपोवन के प्रमुख डॉ.सुभाष गवई, संपादक सुभाष दुबे के अलावा कर्मयोगी सीईओ शिवाजी देठे का सत्कार किया गया. बैंक की विश्वनीयता के साथ ही सालभर के भीतर जिस तरह कोशानदार सफलता अभिनंदन बैंक ने हासिल की. उसकी सभी ने सराहना की. बैंक अध्यक्ष एड. विजय बोथरा के मार्गदर्शन और प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग ,संचालक मंडल के साथ कर्मयोगियों के प्रयासों से अभिनंदन बैंक को आसमानी ऊंचाई बेहतरीन समन्वय का उदाहरण है. तीन कार्यक्रमों के साथ ही चार घंटे का समय सभी के लिए यादगार बन गया. यह मौका उपलब्ध कराने के लिए बाबूजी को दिल से धन्यवाद देना तो बनता ही है.

लोगों के प्रेम,अपनेपन का सदैव रहूंगा दिल से ऋणी

शुभकामनाएं देने उमड़े जनसैलाब को विधायक रवि राणा ने किया नमन

विदर्भ स्वाभिमान,29 अप्रैल

अमरावती- बडनेरा के साथ जिले तथा विदर्भ की जनता का प्रेम ही मुझे सदा कुछ अलग करने की प्रेरणा देता है. मेरे जन्मदिन पर सुबह से लेकर रात्रि तक जिस तरह से हजारों लोगों ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दी, घंटों इंतजार करने के बाद भी जिस तरह से आत्मीयता दिखाई, वह आत्मीयता मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है. इसी आत्मीयता से मुझे समाज के लिए सदा करने की प्रेरणा मिलती है. जीवन में सेवाभाव को सदैव महत्व देते हुए अपने कामों को बेहतरीन करने के साथ ही समाज के लिए भी कुछ करने का प्रयास करता हूं.

इन शब्दों में डैशिंग विधायक लेकिन जनता के दिलों में राज करने वाले विधायक रवि राणा ने अपनी भावनाएं व्यक्त की. उनके मुताबिक उनके परिवार की राजनीतिक विरासत नहीं है, गरीबी, एक कमरे में कई सदस्यों के रहने के अनुभव के साथ ही गरीबी को करीब

से अनुभव करने के कारण गरीबों के प्रति उनके मन में सदा प्रेम रहा है. शुभकामनाएं देने वालों में हर क्षेत्र के मान्यवर,पूर्व मंत्री, विधायक, भाजपा के जिला प्रमुख सहित दर्जनों नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने विधायक रवि राणा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होने की कामना व्यक्त की. सभी के प्रति राणा ने दिल से धन्यवाद जताते हुए सदैव यही प्रेम,विश्वास मिलने और बढ़ते रहने का विश्वास जताया.

श्रीमद् भागवत कथा की तैयारी अंतिम चरण में,पत्रिका वितरण शुरू

पं.अवधनारायण शुक्ला सुनाएंगे कथा, समस्त दुबे परिवार का आयोजन,धौरहरा गांव में उमड़ेंगे भक्त

विदर्भ स्वाभिमान,29 अप्रैल

पट्टी/धौरहरा- क़हते हैं कि बड़े भाग्य से मानव जीवन मिलता है, सौभाग्य से प्रभु की सेवा और भक्ति का योग मिलता है. लेकिन इससे भी परम भाग्य श्रीराम कथा अथवा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन करने का पुण्य सबसे अधिक महान होता है. दादा-बड़ों के आशिर्वाद से दलापांडे धौरहरा निवासी समस्त दुबे परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से यह सौभाग्य मिला है. इसकी तैयारियां तेजी से की जा रही हैं. यह तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं. कथा को लेकर समूचे गांव में उत्साह है. हमारे परिवार के छोटे चाचा पं.राधेश्याम दुबे ने पवित्र जगन्नाथ यात्रा पूरी करने का सौभाग्य प्राप्त किया.

इस उपलक्ष्य में दलापांडे के धौरहरा निवासी तथा विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के साथ आगे बढ़ने वाले धार्मिक, सेवाभावी दुबे परिवार द्वारा मई महीने में गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा को लेकर समस्त ग्रामवासियों में उत्साह व्याप्त है.कथा को अभूतपूर्व बनाने के लिए दुबे परिवार की तीन पीढ़ियों द्वारा जी-जान से प्रयास किया जा रहा है. समस्त गांववासियों का भी सहयोग जहां मिल रहा है, वहीं कथा प्रवक्ता पंडित अवधनारायण शुक्ला की कथा सुनने का बेसब्री से इंतजार गांववासियों द्वारा भी किया जा रहा है. दुबे परिवार के अलावा ग्रामवासी भी इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दे रहे हैं. कथा के दौरान विभिन्न सामाजिक उपक्रमों का भी आयोजन किया गया है.

गांव ही नहीं तो तहसील पट्टी तथा जिले में सुसंस्कारी तथा संयुक्त परिवार के

आदर्श परिवार के रूप में दुबे परिवार को पहचाना जाता है. विभिन्न क्षेत्रों में स्थान बनाने वाले शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे परिवार द्वारा गांववासियों को श्रद्धा तथा भक्तिभाव का मौका उपलब्ध कराया जा रहा है. दलापांडे का धौरहरा के दुबान में आगामी 14 मई से 21 मई तक श्रीमद् भागवत कथा होगी. इसमें सुख्यात विद्वान अवधनारायण शुक्ला उर्फ वियोगी महाराज भक्तों को कथा का रसपान कराएंगे. कथा की शुरुवात 14 मई को महिलाओं की कलश यात्रा से होगा.धौरहरा में दुबान नामक क्षेत्र के रूप में सुख्यात क्षेत्र में धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के उद्देश से 14 मई से श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह सात दिवसीय कथा कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः से सायंकाल तक श्रद्धालुओं के लिए आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध कथा वाचक पं.अवधनारायण शुक्ला द्वारा श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा का रसपान कराया जाएगा.

गांव ही नहीं तो आसपास के विभिन्न गांवों के भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह धौरहरा के साथ ही विभिन्नि शहरों में रहने वाले दुबे परिवार ने किया है. सफलतार्थ श्रीमती शिवपतीदेवी दुबे,शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, ज़गदीश दुबे, सुभाष दुबे, राजेश दुबे, सनील दुबे, सर्वेश दुबे, सत्यप्रकाश दुबे सहित सभी दुबे परिवार के सदस्यों द्वारा प्रयास किया जा रहा है.सप्ताह भर तक गांव में श्रीमद् भागवत की कथा से पूरा क्षेत्र ही श्रीकृष्णमय होने वाला है.

दादा-दादी,बाबूजी,चाचाजी का पुण्यफल

भक्तिभाव,सेवाभाव के साथ ही आदर्श संस्कारी दुबे परिवार पर बुजुर्गो का आशिर्वाद बरसा है कि यह मौका परिवार को मिला है. इसके लिऐ दादाजी स्व.पारसनाथजी दुबे,स्व.शिरताजी दुबे,बाबूजी स्व.जमुनाप्रसादजी, परिवार के त्याग की मूर्ति स्व.गयाप्रसादजी, चाची स्व.द्रोपदीदेवी, स्व. निर्मलादेवी के पावन आशिर्वाद से यह श्रीमद् भागवत कथा होने जा रही है.इसका नेतृत्व पंडित शिवप्रसाद दुबे, राधेश्यामजी दुबे के अलावा तीसरी पीढ़ी के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है. कथा के माध्यम से दुबे परिवार के गांव के साथ देशभर के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले परिवार के सदस्यों के साथ ही सभी बेटियां और पूरा परिवार जुटने वाला है.

ग़ांव के संस्कार रहते हैं जीवनभर-देवराज तिवारी

विदर्भ स्वाभिमान, 30 अप्रैल

अमरावती- ज़ीवन की सार्थकता कितनी दौलत कमाई गई, इससे कभी नहीं हो सकती है बल्कि जीवन की सार्थकता हमारे द्वारा जीवन में कितने लोगों का सहयोग लिया गया, तरक्की के बाद हमने कितने लोगों को सहयोग कर उनके जीवन में खुशियां लौटाने का प्रयास किया. जीवन का मतलब केवल धन-सम्पत्ती कमाना ही नहीं हो सकता है. बल्कि कमाई गई लक्ष्मी का जीवन में अपने परिवार के लिए उपयोग किया, मानवता के लिए कितना किया, इसका महत्व होता है. स्वयं के लिए करने वालों को दुनिया याद नहीं रखती है और समाज तथा मानवता, गांववासियों के लिए करने वालों को दुनिया कभी नहीं भूलती है. गांव के संस्कार आज भी प्रगाढ़ हैं और उन्हीं संस्कारों के कारण जीवन सहज और सफल होता है. इस आशय का प्रतिपादन तिवारीपट्टी की शान और अमरावती में व्यवसाय में आसमानी बुलंदी हासिल करने वाले देवराज तिवारी ने किया.

आज भी गांव तथा गांववासियों से अपार प्रेम रखने वाले देवराज तिवारी द्वारा कामयाबी के बाद भी तिवारीपट्टी गांव के विकास, गांव में अध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ ही विभिन्न सामाजिक उपक्रमों के माध्यम से गांव की मिट्टी से न केवल जुड़े हैं बल्कि सदा मन में शुद्ध भाव रखकर कार्य करते हैं. उनका कहना है कि जीवन में जब माता-पिता तथा परमात्मा के आशिर्वाद से भगवान सब कुछ दे दें तो सामाजिक भावना के साथ हर व्यक्ति को अपने गांव के लिए भी जितना संभव हो सके, करने का प्रयास करना चाहिए. इससे मन को मिलने वाली शांति,संतोष को पैसे से नहीं गिना जा सकता है. बचपन से ही

ग्राम विकासार्थ सदा रहते हैं प्रयासरत, निरंतर रखते हैं संपर्क, करते हैं धार्मिक आयोजन

पिछली बार ग्रामवासियों को बांटे थे 151 ऊनी कंबल,लिया था अखंड रामायण कार्यक्रम

संवेदनशील रहने वाले और स्वयं भी गरीबी का दंश झेलने के बाद अपनी मेहनत, लगन, दूरदर्शिता के माध्यम से अमरावती में राज दूध डेअरी के माध्यम से व्यवसाय में कदम रखकर इसे भी कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचाने का काम किया. आज स्वयं के साथ ही दर्जनभर से अधिक युवाओं को रोजगार दिया है.

सभी का फर्ज-गांव से मिले संस्कार जीवन को न केवल संवारते हैं बल्कि जीवन से लड़ने की प्रेरणा देते हैं. यह संस्कार तिवारीपट्टी में ही मिलने की

बात गौरव के साथ स्वीकार करते हैं. उनके मुताबिक आज जब प्रभु की कृपा से जीवन कामयाबी के साथ स्थिर हुआ है तो ऐसे में गांव के लिए कुछ करने का प्रयास करते हैं. इस कार्य में गांववासियों से मिलने वाले अपनेपन तथा प्रेम का विशेष उल्लेख करते हुए सभी के प्रति कृतज्ञता भी जताते हैं.वे कहते हैं कि कर्म के लिए भले ही शहर में आना पड़ता है लेकिन इस सच्चाई से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि असली जीवन का आनंद आज भी गांवों में है. लेकिन गांव से जुड़ाव सभी का होना चाहिए.

गांव से पहले से ही अत्याधिक लगाव रखने वाले समाजसेवी देवराज तिवारी के मुताबिक जीवन में सदा खुशियां बांटते रहने का अपने स्तर पर यथासंभव प्रयास करना चाहिए. इससे मिलने वाली खुशी को धन-दौलत में नहीं तौला जा सकता है. पत्नी,दोनों बेटों का भी नेक काम में सदा सहयोग रहने और इससे ही शांति और सुकून सदा मिलने की बात कही.

जयशंकर ,एनएसए अजीत डोभाल ने रचा इतिहास

पेज 1 से जारी-वहीं, दूसरे विशेषज्ञों ने कहा कि यूएई के इस कदम से उसके लॉन्ग टर्म स्ट्रेटेजिक और आर्थिक विजन और एनर्जी प्रोफाइल में बदलाव आएगा. साथ ही यूएई के घरेलू एनर्जी प्रोडॅक्शन में बड़ा निवेश की संभावना बढ़ेगी.

भारत और यूएई में रिश्ता और होगा मजबूत-यूएई के इंडस्ट्री और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी मंत्री सुल्तान अहमद अल जबेर भी एक प्रतिनिधिमंडल के साथ इस साल की शुरुआत में दिल्ली के दौरे पर आए थे. उस वक्त उन्होंने यह ऐलान किया था-ग्लोबल एनर्जी की मांग के मामले में 'भारत अब निर्णायक मुखिया' है. यह माना जा रहा है कि आने वाले बरसों में भारत और यूएई में निवेश और बढ़ेगा. अल जबेर ने यह भी कहा था कि भारत और यूएई के रिश्ते खासतौर पर तेल-गैस के क्षेत्र में और बढ़ेगा.

अल जबेर ने कहा था-भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एनर्जी उपभोक्ता है. ऐसे में भारत वैश्विक मांग का निर्णायक चालक बना हुआ है. अगले 15 वर्षों में हवाई सफर 150 फीसदी बढ़ जाएगा. भारतीय शहरों की आबादी 100 करोड़ हो जाएगी. इसके डेटा सेंटरों की क्षमता भी 10 गुना बढ़ जाएगी. इससे मानव इतिहास में एनर्जी की डिमांड और बढ़ जाएगी. यह बेहद तेज, व्यापक और ज्यादा जटिल हो जाएगी, जो इससे पहले किसी ने देखा नहीं होगा.इसे भारत की निर्णायक मुखिया की भूमिका के रूप में देखा जा रहा है.

आपका लीक डेटा बन सकता है खतरा

पेज 1 से जारी- के शेयर किया जा रहा है.और यहीं से पैदा होता है वह सवाल, जो आज हर भारतीय के मन में है क्या आपका पर्सनल डेटा वाकई सुरक्षित है? और 2026 में लागू डेटा प्रोटेक्शन कानून आपको इससे कैसे बचाता है? प्रभावी रूप से लागू होने के बाद यह उम्मीद जगी है कि नागरिकों का डेटा सुरक्षित रहेगा. दुनिया में डिजिटल क्रांति ने जहां जिंदगी आसान बनाई है, वहीं प्राइवेसी को सबसे बड़ा खतरा भी दिया है. ऐसे में सवाल यह है क्या कानून सच में आपकी प्राइवेसी बचा पा रहा है? इस लीगल स्टोरी के जरिए जानेंगे इसके हर पहलू के बारे में.

भारत में 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया. इसका मतलब है कि आपकी निजी जानकारी जैसे फोन नंबर, लोकेशन, मेडिकल रिकॉर्ड आदि आपकी संपत्ति है. सरकार या कोई कंपनी बिना आपकी अनुमति इसे इस्तेमाल नहीं कर सकती. मतलब साफ है, अपनी निजी बातें को निजी रखने का आपका अधिकार कानून देता है. खासकर से डिजिटल दुनिया में आपके प्रवेश करने के बाद, इसकी जरूरत काफी बढ़ जाती है.डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 संसद द्वारा 11 अगस्त 2023 को पारित किया गया था, लेकिन इसके नियम नवंबर 2025 में अधिसूचित हुए हैं और इस कानून के प्रावधानों को चरणों में लागू किया जा रहा है. यह कानून 2023 में संसद द्वारा पारित हुआ था, इसलिए इसे डीपीडीपी एक्ट 2023 के नाम से जानते

पश्चिम बंगाल में ज़ाएंगी दीदी,खिलेगा कमल

पेज 8 से जारी-सामने आए आठ में से सात एग्जिट पोल्स में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता हुआ दिखाई दे रहा है. 'एक्सिस माय इंडिया' ने यूडीएफ की सबसे बड़ी जीत की भविष्यवाणी करते हुए उसे 78-90 सीटें दी हैं, जबकि सत्ताधारी वामपंथी गठबंधन एलडीएफ को 49-62 सीटों पर ही समेट दिया है. इसके अलावा 'जेवीसी', 'वोट वाइब', 'चाणक्य स्ट्रैटजीज', 'पी-मारक्यू', 'मैट्रिज' और 'पीपल्स इनसाइट' के आंकड़ों में भी यूडीएफ आसानी से बहुमत के पार या उसके बेहद करीब पहुंचती दिख रही है. इन रुझानों से साफ है कि केरल की जनता इस बार सत्ताधारी एलडीएफ को हटाकर बदलाव के मूड में है.

द्रमक गठबंधन की वापसी, टीवीके ने भी दिखाया दम

तमिलनाडु विधानसभा चनाव 2026 के नौ प्रमख एग्जिट पोल्स के नतीजे सामने आ गए हैं, जो बेहद रोमांचक और चौंकाने वाले हैं. 234 सीटों वाली तमिलनाडु विधानसभा में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 है. सामने आए नौ में से छह सर्वे सत्ताधारी द्रमुक गठबंधन की सत्ता में वापसी का साफ संकेत दे रहे हैं. 'प्रजा पोल', 'चाणक्य स्ट्रैटजी', 'पीपल्स पल्स', 'पी-मारक्यू', 'मैट्रिज' और 'पीपल्स इन्साइट' के आंकड़ों में द्रमुक गठबंधन आसानी से बहुमत के पार जाता दिख रहा है. इन रुझानों से स्पष्ट है कि तमिलनाडु की जनता एक बार फिर सत्ताधारी गठबंधन पर अपना भरोसा जताती नजर आ रही है. वहीं, 'जेवीसी' के सर्वे ने एनडीए गठबंधन को 128 से 147 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिलने की भविष्यवाणी कर सबको हैरान कर दिया है.इन सबके बीच सबसे बड़ा सियासी भूचाल अभिनेता विजय की नई पार्टी टीवीके लाती दिख रही है. भरोसेमंद माने जाने वाले 'एक्सिस माय इंडिया' के एग्जिट पोल ने सारी तस्वीर ही बदल कर रख दी है. इस सर्वे में टीवीके को सबसे ज्यादा 98 से 120 सीटें मिलने का अनमान जताया गया है, जिससे वह सबसे बड़ी पार्टी या सत्ता के करीब पहुंचती दिख रही है.

दीदी की विदाई तय, भाजपा को पश्चिम बंगाल में बहुमत

चुनाव पूर्ण सर्वेक्षण में संभावना, तमिलनाडू, केरल में सत्ता परिवर्तन,असम में भाजपा रचेगी इतिहास

विदर्भ स्वाभिमान,29 अप्रैल

नई दिल्ली- विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल आ गए हैं. सबसे बड़ा उलटफेर पश्चिम बंगाल में है, कई वर्षों से लगातार यहां सत्ता के लिए प्रयास करने वाली भाजपा के लिए यहां पर शुभ संकेत है, वहीं असम में भी पार्टी की स्थिति मजबूत है. केरल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही तमिलनाडू में भी सत्ता परिवर्तन के आसार हैं. विधानसभा चुनाव के नतीजे चौकाने वाले रहने वाले हैं. पश्चिम बंगाल में हुआ रिकार्ड मतदान जहां चर्चा का केन्द्र बना है, वहीं भाजपा इस चुनाव में भी सबसे आगे रहने की संभावना है. आठ में से छह पोल भाजपा की ऐतिहासिक जीत और सत्ता परिवर्तन का इशारा कर रहे हैं. वहीं, असम और पुदुचेरी में भाजपा-एनडीए गठबंधन अपनी सत्ता बरकरार रखता दिख रहा है. दक्षिण की बात करें तो केरल में यूडीएफ की शानदार वापसी हो रही है, जबकि तमिलनाडु में द्रमुक गठबंधन आगे है. आइए, विस्तार से सभी आंकड़ों पर नजर डालते हैं.तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए 10 प्रमुख एग्जिट पोल्स के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जो राज्य में एक बेहद रोमांचक और उलझी हुई चनावी तस्वीर पेश कर रहे हैं. 234 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है. सामने आए 10 में से छह सर्वे सत्ताधारी द्रमुक गठबंधन की शानदार वापसी का साफ संकेत दे रहे हैं. प्रजा पोल' (148-168 सीटें) और 'चाणक्य स्ट्रैटजी' (145-160 सीटें) ने द्रमुकअ को भारी बहुमत मिलने का अनुमान जताया है. हालांकि, 'जेवीसी' और नए सर्वे 'वोट वाइब' ने एनडीए के पक्ष में माहौल दिखाते हुए सबको चौंका दिया है. 'जेवीसी' ने एनडीए को 128-147 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत दिया है, जबकि 'वोट वाइब' ने भी एनडीए को 114-124 सीटें देकर उसे सत्ता के बेहद करीब या पार पहुंचा दिया है.इन सबके बीच, सबसे बड़ा सियासी भूचाल अभिनेता विजय की नई पार्टी टीवीके लाती दिख रही है. सबसे ज्यादा हैरानी भरोसेमंद माने जाने वाले 'एक्सिस माय इंडिया' के आंकड़ों ने पैदा की है, जिसने टीवीके को 98 से 120 सीटें देकर सबसे बड़ी पार्टी बनने का अनुमान जताया है. वहीं, 'कामाख्या एनालिटिक्स' के सर्वे में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिल रहा है, लेकिन टीवीके 67-81 सीटें जीतकर राज्य में 'किंगमेकर' की भूमिका में खड़ी नजर आ रही है. कुल मिलाकर इन विरोधाभासी और दिलचस्प एग्जिट पोल्स ने तमिलनाडु के चुनावी नतीजों को पूरी तरह से अप्रत्याशित बना दिया है, जिसका असली फैसला मतगणना के दिन ही होगा.

एक ही जगह पर देखें पांचों राज्यों के सारे आंकड़े-पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल जारी हो गए हैं. इनमें पश्चिम बंगाल के नतीजों ने सबसे ज्यादा चौंकाया है. आठ प्रमुख एग्जिट पोल्स में से छह सर्वे में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलता दिख रहा है, जो लंबे समय से सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस की विदाई और राज्य में एक बड़े राजनीतिक बदलाव का साफ संकेत है.इसके अलावा, असम और पुदुचेरी में भाजपा और एनडीए भारी बहुमत के साथ आसानी से अपनी सरकार बनाते हुए नजर आ रहे हैं. दक्षिण भारत के राज्यों की बात करें तो, केरल में वामपंथी सरकार (एलडीएफ) को बड़ा झटका लग सकता है और वहां कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की सत्ता में वापसी के मजबूत आसार हैं.

वहीं, तमिलनाडु में ज्यादातर एग्जिट पोल द्रमुक गठबंधन की सत्ता में वापसी का दावा कर रहे हैं, हालांकि कुछ सर्वे में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके भी बड़ा उलटफेर करती दिख रही है. इन सभी राज्यों के अंतिम और असली नतीजे 4 मई को आने वाली आधिकारिक मतगणना के बाद ही पूरी तरह से साफ हो पाएंगे.असम विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करता दिख रहा है. 126 सीटों वाली असम विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 64 सीटों की जरूरत होती है. सामने आए सभी 11 प्रमुख एग्जिट पोल्स ने एक सुर में भाजपा गठबंधन की बंपर जीत की भविष्यवाणी की है. किसी भी सर्वे में कांग्रेस दूर-दूर तक टक्कर देती नजर नहीं आ रही है. सभी एजेंसियों ने भाजपा को 80 से ज्यादा सीटें दी हैं, जिससे यह साफ हो गया है कि असम की जनता ने एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनाने का पूरा मन बना लिया है. 'एक्सिस माय इंडिया', 'जेवीसी-टाइम्स नाऊ', 'पोल डायरी' और 'वोट वाइब' जैसे बड़े सर्वे ने तो भाजपा गठबंधन को अधिकतम 100 या 101 सीटों तक पहुंचने का अनुमान जताया है. वहीं, मुख्य विपक्षी कांग्रेस गठबंधन की हालत बेहद खराब दिख रही है. 'पी-मारक्यू' (30-40 सीटें) को छोड़ दें तो ज्यादातर सर्वे में कांग्रेस गठबंधन 25 से 35 सीटों के बीच ही सिमटता नजर आ रहा है. इसके अलावा अन्य दलों का भी कोई खास प्रभाव नहीं दिख रहा है. इन सभी 11 एग्जिट पोल्स के रुझानों ने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि असम में भाजपा की आंधी के आगे विपक्ष पूरी तरह से पस्त हो गया है.

केरल विधानसभा चुनाव 2026 के आठ प्रमुख एग्जिट पोल्स के नतीजे सामने आ चुके हैं. 140 सीटों वाली केरल विधानसभा में बहुमत का जादुई आंकड़ा 71 है.

शेष पेज 7 पर

पश्चिम बंगाल भाजपा को बहुमत दो में तृणमूल की वापसी का दावा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल के नतीजे बेहद दिलचस्प और चौंकाने वाले हैं. सामने आए आठ प्रमुख सर्वे में से छह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूर्ण बहुमत के साथ राज्य में अपनी पहली सरकार बनाती दिख रही है. 'प्रजा पोल' के सर्वे में तो भाजपा को सबसे बड़ी जीत (178-208 सीटें) मिलने का अनुमान लगाया गया है. इसके अलावा 'पोल डायरी', 'पी-मारक्यू', 'मैट्रिज', 'चाणक्य स्ट्रैटजीज' और 'जेवीसी' ने भी भाजपा को सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर स्पष्ट बढ़त दी है और बहुमत के आंकड़े के पार रखा है. इन छह एजेंसियों के रुझानों से साफ संकेत मिल रहा है कि लंबे समय से सत्ता पर काबिज तृणमूल को इस बार करारी शिकस्त का सामना करना पड़ सकता है.हालांकि, दो एग्जिट पोल्स ऐसे भी हैं जो पूरी तरह से अलग कहानी बयां कर रहे हैं और तृणमूल के लिए बड़ी राहत लेकर आए हैं. 'जनमत पोल्स' और 'पीपल्स पल्स' के सर्वे में तृणमूल की सत्ता में शानदार वापसी का दावा किया गया है. 'जनमत पोल्स' के अनुसार तृणमूल 195-205 सीटें जीतकर फिर से अपनी सरकार बना सकती है, जबकि इस सर्वे में भाजपा को 80-90 सीटों पर ही समेट दिया गया है. वहीं, 'पीपल्स पल्स' ने भी तृणमूल को 177-187 सीटें और भाजपा को 95-110 सीटें दी हैं. कुल मिलाकर, एग्जिट पोल्स के ये विरोधाभासी आंकड़े बंगाल में एक बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर का इशारा कर रहे हैं, जिसका असली फैसला मतगणना के दिन ही होगा.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा ~~राष्ट्रधर्म~~ को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189